

CUE WORDS :

1. बुल्के का व्यक्तित्व Father Bulke's personality

फादर बुल्के का बाहरी व्यक्तित्व बहुत सुन्दर, सौम्य और सुशांत था | वे ईसाई पादरी थे | उनका रंग गोरा था | चेहरे पर सफ़ेद झलक मारती हुई भूरी दाढ़ी थी | आँखे नीली नीली थी | उनकी बाँहे सदा दूसरों को गले से लगाने के लिए आतुर रहती थी | वे सदा सफ़ेद चोगा पहनते थे | उनका हृदय बहुत स्नेहशील और ममतापूर्ण था |

2. परिमल नामक संस्था के सदस्य Member of "Parimal"

'परिमल' एक साहित्यिक संस्था थी जिसमें उत्साही साहित्यिक लोग थे | फादर बुल्के भी परिमल के अभिन्न सदस्य थे | वे सबके साथ पारिवारिक स्नेह बनाए रखा करते थे | वे गोष्ठियों में गहरी रुचि लेते थे | गंभीर बहस किया करते थे | रचनाओं पर निडर होकर अपना मत देते थे |

3. पारिवारिक जीवन Family life

वे बेल्जियम के निवासी थे | घर में माँ, बाप, दो भाई और एक बहन थी | वे भारत को ही अपना देश मानने लगे थे |

4. फादर बुल्के भारत में Father Bulke in India

फादर बुल्के कोलकत्ता से बी.ए तथा इलाहबाद से एम.ए. हिन्दी किया | उन्होंने इलाहबाद के विद्वान् डॉ. धीरेन्द्र वर्मा के निर्देशन में "रामकथा" विषय पर शोध प्रबंध प्रस्तुत किया | वे रांची में हिन्दी और संस्कृत विभाग के अध्यक्ष हो गए | उन्होंने प्रसिद्ध अंग्रेज़ी – हिन्दी कोष तैयार किया |

5. स्नेह और करुणा Affectionate and compassion

वे सन्यासी ज़रूर थे | वे सबके पारिवारिक उत्सवों और संस्कारों में पुरोहित की भाँति उपस्थित रहते थे | लेखक के पुत्र के मुख में पहली बार अन्न उन्हीं ने डाला था | उनका वात्सल्य देवदारु सा ऊँचा था | वे हर दुःख में साथ खड़े होते थे | उनके मुख से निकले सांत्वना के शब्द में गहरी शांति प्रदान करते थे |

6. फादर बुल्के की मृत्यु और अन्तिम संस्कार Father Bulke's death and last rites.

73 वर्ष की आयु में फादर बुल्के का देहांत हो गया | लेखक ने फादर को अंतिम बार देखा तो वे ताबूत में थे | उनके चहरे पर बिखरी शांति थिर हो गयी थी | मसीही विधि से अंतिम संस्कार शुरू हुआ | उनकी मृत्यु पर उनके प्रियजन, परिचित और साहित्यिक मित्र इतनी अधिक संख्या में रोये कि उनको गिनना कठिन है | लेखक कहते हैं :- नम आँखों को गिनना स्याही फैलाना है |

